डॉ. शशि किरण

मानवशास्त्र विभाग,

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्दालय,रॉची

सेमेस्टर :एम.ए. चतुर्थ, पेपर: CC:10,युनिट:4

एंड मंड लीच

एंड मंड लीच एक ब्रिटिश मानव शास्त्री थे. इन्हें इनके संरचना वादी दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है. इनकी संरचना वादी विचारधारा पर रेडक्लिफ ब्राउन, मैलिनोवस्की तथा लेवी स्ट्रॉस का प्रभाव दिखता है. इन्होंने बलूचिस्तान के कुर्द पर क्षेत्रीय कार्य किया था इस क्षेत्रीय कार्य पर आधारित इन की पुस्तक" सोशल एंड इकोनॉमिकल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द रवांडा कुर्द "थी. कुर्द की संस्कृति तेजी से परिवर्तित हो रही थी. इस परिवर्तन से प्रभावित होकर उन्होंने संस्कृति के आदर्श प्रतिमान की अवधारणा प्रस्तुत की.

उनके अनुसार संस्कृति का विश्लेषण दो स्तरों पर किया जा सकता है, पहला आदर्श स्तर, दूसरा व्यावहारिक स्तर. आदर्श स्तर वह है जिसे मानव शास्त्री किसी भी संस्कृति का आदर्श समझते हैं, व्यावहारिक स्तर पर वह संस्कृति को वास्तविक स्वरूप में देखते हैं.

अपनी दूसरी पुस्तक "पॉलीटिकल सिस्टम ऑफ हाई लैंड बर्मा" में बर्मा में रहने वाले विशिष्ट समाजों का विवरण है. इन्होंने कुं लाओ, कुम सा तथा शान समाज के राजनैतिक अध्ययन कर यह समझाया की तीनों समाजों में नैतिक संगठन एवं संरचना अलग अलग है, परंतु व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए इतनी अधिक प्रतिस्पर्धा है की निरंतर उनकी राजनैतिक व्यवस्था में परिवर्तन हो रहे हैं. उनका विश्वास था "कि प्रत्येक समाज में प्रतिस्पर्धा सामाजिक प्रक्रिया का हिस्सा है. उनके अनुसार तीनों समाजों में राजनीतिक ढांचे की व्यवस्था दो स्तरों पर की जा सकती है... पहला स्तर आदर्श राजनैतिक ढांचा और दूसरा स्तर वास्तविक राजनैतिक स्थिति. उन्होंने अपनी अवधारणा को "नव संरचनावाद "की संज्ञा दी थी.